खरसिया महाविद्यालय में हिंदी विभाग ने मनाई प्रेमचंद जयंती, सत्र का पहला छात्र-केंद्रित कार्यक्रम संपन्न

खरसिया, 31 जुलाई। शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खरसिया के हिंदी विभाग द्वारा सत्र 2026-27 के छात्र-केंद्रित कार्यक्रमों की शुरूआत प्रेमचंद जयंती के आयोजन के साथ की गई। विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश टंडन के मार्गदर्शन में आयोज्रित कार्यक्रम में एम.ए. हिंदी के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदे एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चातू भारती साहू, जमुना पटेल एवं कुसुम ने छत्तीसगढ़ राज्य गीत की प्रस्तुति दी। छात्र आरथो राठिया ने मंच संचालन करते हुए प्रेमचंद के जीवन, संघर्ष और साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में छात्रा जमुना पटेल ने उपन्यास गबन की सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए। कुसुम ने कर्मभूमि में निहित सत्य, अहिंसा, राष्ट्रीय चेतना, किसान-मजदूर जीवन तथा गांधीवादी विचारधारा का विश्लेषण प्रस्तुत किया। वहीं भारती साहू ने गोदान को भारतीय समाज का दर्पण बताते हुए होरी और धनिया के संघर्षपूर्ण जीवन को किसान वर्ग की वास्तविक पीड़ा का प्रतीक बताया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश टंडन ने प्रेमचंद के संघर्षमय जीवन एवं उनके साहित्य में निहित यथार्थवादी दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने गोदान के पात्रों मेहता, मालती एवं खन्ना के माध्यम से व्यक्त मानवीय मूल्यों, स्त्री-पुरूष समानता, प्रेम, सामाजिक परिवर्तन और रूढ़ियों से मुक्ति संबंधी विचारों को विद्यार्थियों के समक्ष रखा।

कार्यक्रम में आरथो राठिया, राजू बरेठ, भारती साहू, जमुना पटेल, प्रकाश वारे, ताराचंद, कुसुम पटेल, रागिनी धिरहे, तुलसी वर्मा, अलिसा गोरे, चमरीन राठिया, हरिप्रिया राठिया, रानी राठिया एवं चमन कुमार राठिया सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेमचंद के साहित्य और उनके सामाजिक सरोकारों से परिचित कराया गया।

अनुभवों से प्रेरणा प्राप्त की।

खरसिया महाविद्यालय में हिंदी विभाग ने मनाई प्रेमचंद जयंती, सत्र का पहला छात्र-केंद्रित कार्यक्रम संपन्न

संवाद समृद्धि पथ / वीपीएम खरसिया, 31 जुलाई। शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खरसिया के हिंदी विभाग द्वारा सत्र 2026-27 के छात्र-केंद्रित कार्यक्रमों की शुरुआत प्रेमचंद जयंती के आयोजन के साथ की गई। विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश टंडन के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में एम.ए. हिंदी के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदे एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात् भारती साहू, जमुना पटेल एवं कुसुम ने छत्तीसगढ़ राज्य गीत की प्रस्तुति दी। छात्र आरथो राठिया ने मंच संचालन करते हुए प्रेमचंद के जीवन, संघर्ष और साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में छात्रा जमुना पटेल ने उपन्यास गबन की सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए। कुसुम ने कर्मभूमि में निहित सत्य, अहिंसा, राष्ट्रीय चेतना, किसान-मजदूर जीवन तथा गांधीवादी विचारधारा का विश्लेषण प्रस्तुत किया।

अमृत संदेश 6

बिलासपुर, शनिवार 1 अगस्त 2026

हिन्दी विभाग खरसिया में प्रेमचंद जयंती संपन्न

खरसिया (असं)। शासकीय महात्मा गाँधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया में छात्र केन्द्रित विविध कार्यक्रमों की शुरुआत हिंदी विभाग के द्वारा आयोजित प्रेमचंद जयंती से दिनांक 31 जुलाई को हो गई. हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ रमेश टंडन की पहल से एम ए हिंदी में अध्ययनरत छात्रों की उपस्थिति में उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर वृहद् प्रकाश डाला गया. माँ शारदे की प्रतिमा और प्रेमचंद के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित करने के पश्चात् भारती साहू, जमुना पटेल और कुसुम ने छत्तीसगढ़ी राज्य गीत की प्रस्तुति दी. छात्र आरथो राठिया ने मंच सञ्चालन करते हुए प्रेमचंद के जीवन का परिचय दिया. साथ ही बचपन में इनकी माँ के देहांत होने, गरीबी में जीवन यापन करने, एक विधवा से शादी करने, प्रेमचंद नाम रखने और 1910 में प्रेमचंद नाम से प्रथम कहानी बड़े घर की बेटी के प्रकाशित होने का जिक्र किया. छात्रा जमुना पटेल ने इनके उपन्यास गबन के बारे में विस्तार से बताया. इन्होंने कहा कि गबन में रामनाथ और जालपा के माध्यम से लेखक ने महिलाओं की आभूषण प्रियता, दिखावे की प्रवृत्ति व लालच को उजागर किया है. छात्रा कुसुम ने उपन्यास कर्मभूमि का उल्लेख करते हुए उसमें वर्णित सत्य, अहिंसा, राष्ट्रीय चेतना, मजदूर, किसान, छुआछूत, गांधीवादी विचारधारा और व्यक्तिगत जीवन तथा सामाजिक जीवन के बीच के संघर्ष को उकेरा, छात्रा भारती साहू ने प्रेमचंद के अंतिम उपन्यास गोदान को भारतीय समाज का दर्पण कहते हुए उसके प्रमुख पात्र होरी और धनिया को संघर्ष का प्रतीक बताया. एक किसान की पीड़ा को भी इसने उल्लेख किया।

प्रेमचंद कक्ष
प्रेमचंद जयंती
GPS Map Camera
Google
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4h6+gww, Raigad Road, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978737° Long 83.112399°
Friday, 31/07/2026 01:15 PM GMT +05:30

Genius Page: 3

प्रेमचंद जयंती

31/07/2026

आज दिनांक 31 जुलाई 2026 को उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी के जन्म दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग में प्रेमचंद जयंती मनाई गई। इस अवसर पर हिन्दी के छात्रों ने उनके जीवन-परिचय, रचनाएँ और कुछ खास उपन्यास, कहानी पर विश्लेषणात्मक वक्तव्य प्रस्तुत किए।

उपस्थित छात्र –

(1) आरधो	[signature]
(2) राधा बरेठ	[signature] Bareth
(3) भारती साहू	भारती साहू
(4) जमुना पटेल	जमुना पटेल
(5) प्रकाश बारे	[signature]
(6) ताराचंद	ताराचंद
(7) कुसुम पटेल	[signature]
(8) रागिनी धिरहे	रागिनी धिरहे
(9) तुलसी वर्मा	तुलसी वर्मा
(10) अलिसना गोरे	अलिसना गोरे
(11) चमरीन राठिया	चमरीन राठिया
(12) Haripriya Rathia	Haripriya
(13) Rani Rathia	Rani
(14) चमन कुमार राठिया	[signature]

[signature] 31/7/2026 HOD-Hindi

[signature] Principal M.G Govt. Arts & Science College KHARSIA (Dist. - Raigarh) C.G.

01/08/2026 11:45

वक्ता -

(1) आरवो राठिया - जीवन परिचय
बचपन में माता - पिता का निधन, गरीबी, 13 साल की अवस्था में उर्दू के उपन्यास का अध्ययन, मूल नाम - धनपत राय, प्रेमचंद के रूप में पहली कहानी 1910 में 'बड़े घर की बेटी' आई।

(2) जमुना पटेल - उपन्यास 'गबन'
रिश्वत की प्रवृत्ति, लालच के कारण है, रमानाथ और जालपा की कहानी, जालपा को आभूषण की शौक, कर्ज लेना।

(3) कुंकुम - उपन्यास 'कर्मभूमि'
सत्य, अहिंसा, राष्ट्रीय चेतना, मजदूर, किसान, अस्पृश्यता, मार्क्सवादी विचारधारा।
व्यक्तिगत जीवन और सामाजिक जीवन के बीच संघर्ष।

(4) भारती साहू - उपन्यास 'गोदान'
अंतिम उपन्यास, किसान की पीड़ा, होरी, धनिया संघर्ष के प्रतीक। यह भारतीय समाज का दर्पण है।

(5) डॉ. आर. के. रबड़न - जीवन परिचय, गोदान, कुड़ाह

संचालन - आरवो राठिया
सजावट - भारती साहू, जमुनापटेल, कुंकुम।

Principal
M.G Govt. Arts & Science College
KHARSIA (Dist. - Raigarh) C.G.
01/08/2026 11:45